विंध्याचल को बनाया जा रहा उद्योगों का नया कॉरिडोर

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। विंध्याचल क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने की तैयारी है। विंध्य क्षेत्र में अब तक 50 लाख रुपये से ज्यादा की लागत वाले 73 प्रोजेक्ट को निर्धारित समयावधि में पूरा कर लिया गया है।

वहीं, 177 प्रोजेक्ट ऐसे हैं, जिन पर काम अभी जारी हैं। इस फेहरिस्त में विंध्य कॉरिडोर व सोनभद्र में मेडिकल कॉलेज जैसे सरकारी मेगा प्रोजेक्ट भी शामिल हैं। सरकार इन सभी प्रोजेक्ट की मॉनिटरिंग और परियोजनाओं से संबंधित समस्याओं के निराकरण व उच्च गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्यों को सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य करना शुरू कर दिया है।

सोनभद्र में चाहें थाना पिपरी

50 लाख रुपये से अधिक के 73 प्रोजेक्ट तय समयावधि में हुआ पूरा

बैरक हॉस्टल हो, आईटीआई दूधी हो, नगवन बांध में रिपेयर वर्क हो, या फिर गऊ संरक्षण केंद्र, चोपन में बीज भंडारण केंद्र व अटल आवासीय विद्यालय के इमारती कार्य को पूर्ण करना हो, इन सभी परियोजनाओं को या तो पूर्ण कर लिया गया है या फिर ये पूर्ण होने के अंतिम चरण में हैं। विंध्य क्षेत्र में जारी इन्फ्रास्ट्रक्चरल प्रोजेक्ट की मॉनिटरिंग खुद मुख्य सचिव कर रहे हैं। मिर्जापुर में निर्माणाधीन आयुष अस्पताल में निर्माण कार्य की प्रगति कार्ययोजना के अनुरूप न होने के कारण कॉन्ट्रैक्टर के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया भी प्रस्तावित है।

रिपोर्ट के अनुसार 50 लाख रुपये से ज्यादा की लागत वाले प्रोजेक्ट में से मिर्जापुर में 31 प्रोजेक्ट पूर्ण हो गए हैं, जबकि 75 पर कार्य जारी है। वहीं, भदोही में 18 प्रोजेक्ट को पूरा कर लिया गया है और 48 पर कार्य जारी है। इसी प्रकार सोनभद्र क्षेत्र में 24 परियोजनाओं को पूर्ण कर लिया गया है जबकि 54 पर कार्य जारी है। जिन परियोजनाओं पर अभी कार्य जारी है, उन्हें पूर्ण गुणवत्ता के साथ जल्द से जल्द पूरा करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। इसमें मुख्य रूप से तीन सूत्री एजेंडे का निर्धारण किया गया है। इनमें स्टेकहोल्डर्स व इश्यूज के निर्धारण, निर्माण कार्यों में आ रही चुनौतियों के चिह्नांकन और निराकरण को प्रमुखता दी गई है।